

पंचोपचार पुं. (तत्.) पूजा में प्रयुक्त होने वाले पाँच साधन भूत द्रव्य-गंध, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य।

पंचोपविष पुं. (तत्.) पाँच प्रकार के उपविष, थूहड़ मदार, कनेर, जलपीपल, कुचला।

पंचोष्मा पुं. (तत्.) शरीर के भीतर विद्यमान पाँच प्रकार की अग्नियाँ जो भोजन पचाती हैं।

पंचौली स्त्री. (तत्.) 1. एक पौधा जिसकी पत्तियों और डंठलों से खुशबूदार तेल निकाला जाता है 2. पंचपान, पांच पत्तों वाला पौधा, पंचनपानड़ी।

पंछा पुं. (देश.) 1. पानी की तरह का एक स्राव या द्रव जो पेड़ पौधों को काटने (छाल आदि छीलने) पर निकलता है 2. चेचक के दाने या किसी फफोले आदि से निकलने वाला सफेद पानी (द्रव)।

पंछाला पुं. (देश.) फफोला, फफोले के फूटने पर रिसने वाला स्राव (द्रव)।

पंछिराज पुं. (तद्.) पक्षियों का राजा-गरुड़ 2. जटायु 3. एक प्रकार का धान।

पंछी पुं. (तद्.) पक्षी, चिड़िया।

पंज वि. (फा.) पाँच हजारी पुं. पाँच हजार सैनिकों का नायक। एक उपाधि जो मुगल बादशाहों के समय सरदारों या दरबारियों को दी जाती थी।

पंज अंगुस्त पुं. (तद्.) हाथ की पाँच उंगलियों वाला व्यक्ति।

पंज कल्याण पुं. (तद्.) वह घोड़ा जिसके पैर और मुँह सफेद रंग के हों। ऐसा घोड़ा मांगलिक और शुभ माना जाता है। पंच-कल्याण या पंचक कल्याणक।

पंजगोश वि. (फा.) पंचकोण, पाँच कोनों वाला।

पंजर पुं. (तत्.) 1. हड्डियों का ढाँचा, कंकाल, पसली 2. पिंजड़ा, शरीर 3. कलियुग 4. गाय का एक संस्कार।

पंजरक पुं. (तत्.) 1. खाँचा 2. पिंजड़ा 3. बैत से बुना हुआ बड़ा टोकरा।

पंजरना अ.क्रि. (तद्.) जलना, सुगलना, पजरना, दहकना, प्रज्वलन उदा. याके डर और कछू, लगी विरह की लाय, पजरै नीर गुलाब के पिय की बात सिराय।।

पंजर-शुक पुं. (तत्.) पिंजड़े में बंद किया हुआ तोता, पालतू तोता।

पंजराखेट पुं. (तत्.) मछली पकड़ने का एक प्रकार का जाल या झाबा।

पंजरी स्त्री. (तत्.) 1. अर्थी, 2. पसली (जिस पर रखकर शव को ले जाया जाता है) 3. टिकठी 4. ठठरी।

पंजशाखा पुं. (फा.पंजशाखः) 1. पाँच शाखाओं वाली वस्तु, 2. एक तरह की मशाल 3. पाँच साल में पूरा होने वाला, पंचसाला।

पंजा पुं. (फा.) 1. पाँच सजातीय वस्तुओं, व्यक्तियों या स्थानों का समाहार 2. हाथ या पैर की पाँचों उँगलियों का समूह, अगला भाग जैसे- बिल्ली का पंजा, शेर का पंजा, पंजा लड़ाना, पंजा भिड़ाना, पंजा मोड़ना, पंजा फैलाना।

पंजाब पुं. (फा.) पाँच नदियों, सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम का प्रदेश, विभाजन के बाद अब इस प्रदेश का आधा भाग पाकिस्तान में तथा आधा भारत में है।

पंजाबी वि. (फा.) पंजाब प्रदेश संबंधी पुं. 1. पंजाब का निवासी 2. पंजाबी भाषा जानने वाला स्त्री. (फा.) 1. पंजाब प्रांत की भाषा, पंजाबन, (पंजाब की महिला)।

पंजारा पुं. (फा.) 1. पिंजारा-पींजने वाला व्यक्ति 2. रुई धुनने वाला, धुनिया।

पंजाह वि. (फा.) पचास।

पंजाहम वि. (फा.) पचासवाँ।

पंजाह-साला वि. (फा.) पचास वर्षों का।